प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

हिन्दी दिवस पर विजेता हुए पुरस्कृत

पंतनगर। १४ सितम्बर २०१७। विश्वविद्यालय के प्रकाशन निदेशालय द्वारा आज हिन्दी दिवस के साथ-साथ हिन्दी सप्ताह समापन समारोह का आयोजन कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय के सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. जे. कुमार, थे। कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा, एवं निदेशक संचार, डा. नीलम भारद्वाज, विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा प्रकाशन निदेशालय के प्रभारी अधिकारी, डा. नरेश कुमार, आयोजक के रूप में मंचासीन थे।

डा. जे. कुमार ने अपने मुख्य अतिथि के सम्बोधन में पंतनगर विश्वविद्यालय के संस्थापक, गोविन्द बल्लभ पंत जी, के हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए किये गये प्रयासों की याद दिलाते हुए कहा कि प्रकाशन निदेशालय द्वारा परिसर स्थित स्कूलों एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में हिन्दी के प्रति रूचि बढ़ाने एवं हिन्दी का प्रयोग करने के अवसर प्रदान करने का सफल प्रयास किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि हिन्दी विश्व के अन्य देशों में भी प्रचलित है, जिनमें बंग्लादेश, पाकिस्तान, मारीशस, फिजी, सूरीनाम, गयाना इत्यादि सम्मिलित हैं। डा. कुमार ने आगे कहा कि हिन्दी बोलने में हमें गर्व महसूस करना चाहिए जबकि देखा यह जाता है कि जब हमें कोई बात प्रभावशाली बनानी होती है तो हम उसे अंग्रेजी भाषा में बोलने का प्रयास करते है। ऐसा क्यूं है, इस पर विचार किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने भाषा को व्यक्ति की पहचान का सबसे बड़ा लक्षण बताया तथा हिन्दी को ऊंचा दर्जा देने के लिए सभी को संकल्प लेने का आह्वान किया।

कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा भी गैर-हिन्दी भाषी प्रदेशों में हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए वृह्द कार्यक्रम चलाये जाते है। उन्होंने प्रकाशन निदेशालय द्वारा अपनी २२१ हिन्दी पुस्तकों द्वारा कृषि तकनीकों के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देने की जानकारी दी। डा. शर्मा ने युवा वर्ग द्वारा हिन्दी को अपनाकर उसमें उच्च-स्तरीय रचनाओं का निर्माण करने के लिए उनकी प्रशंसा की।

निदेशक संचार, डा. नीलम भारद्वाज ने कहा कि हिन्दी एक सशक्त भाषा है तथा समाज का विकास तभी संभव है जब हमारा संचार माध्यम अपनी भाषा में हो क्योंकि तभी हम अधिक मुखर होकर विश्वास के साथ अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं। भारत के एक बड़े भूभाग की मात्र भाषा हिन्दी होने तथा गुजराती, पंजाबी, उर्दू, बंगाली इत्यादि भाषाओं का हिन्दी से मिलती जुलती होने के कारण उन्होंने देश में हिन्दी को लोगों के बीच सूत्रधार बताया।

डा. जे. कुमार व अन्य अतिथियों ने हिन्दी सप्ताह की विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजित विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किये। कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रकाशन निदेशालय के प्रभारी अधिकारी, डा. नरेश कुमार ने हिन्दी दिवस से पूर्व आयोजित हिन्दी सप्ताह का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा उपस्थित अतिथियों एवं अन्य सभी का स्वागत किया। अंत में श्रीमती सीमा श्रीवास्तव ने सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम का संचालन भी किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी व विद्यार्थियों के साथ-साथ पंतनगर परिसर में स्थित विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक, शिक्षिकायें, विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक भी उपस्थित थे।

हिन्दी दिवस एवं हिन्दी सप्ताह समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कृत विद्यार्थियों के साथ कुलपति, डा. जे. कुमार, एवं अन्य अतिथिगण।